



- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योगाभ्यास का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड साझा करते हुए कहा योगांध्र पहल लोगों को अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रेरित करेगा।
- भारत सौर ऊर्जा में वैश्विक स्तर पर तीसरे और पवन ऊर्जा क्षमता में चौथे स्थान पर पहुंचा।
- मानसून पुस्तक वाचन महोत्सव का समापन। शिक्षा निदेशक ने कहा— किताबें कल्पना के द्वार खोलती हैं और कल्पना उपलब्धि की शुरुआत है।
- अंत्योदय अन्न योजना और प्राथमिकता वाले समूह के छोटे हुए राशन कार्ड लाभार्थियों को तीस जून तक ई-केवाईसी कराने की सलाह।



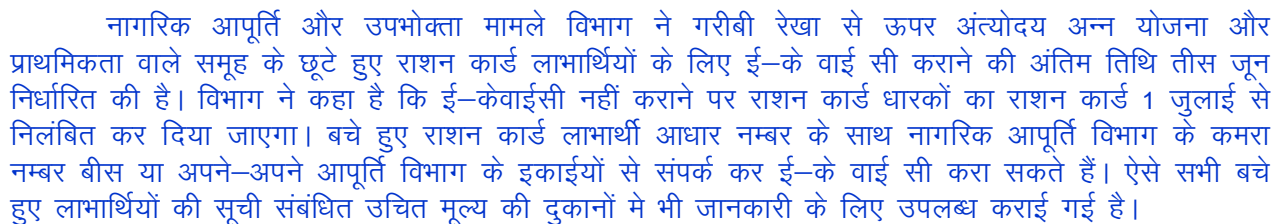
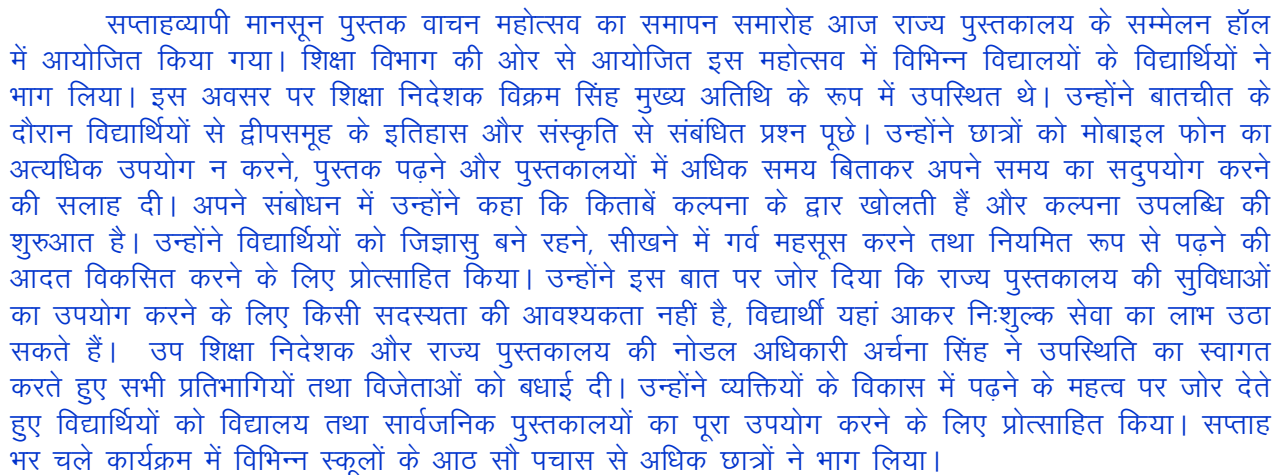
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योग को जीवन का हिस्सा बनाने के लिए आंध्र प्रदेश के लोगों की सराहना की है। कल विशाखापत्तनम में तीन लाख से अधिक लोगों के साथ अब तक के सबसे बड़े योगाभ्यास का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड साझा करते हुए, श्री मोदी ने कहा कि योगांध्र पहल और विशाखापत्तनम का कार्यक्रम कई लोगों को अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि योग एक बार फिर लोगों को एक साथ लाया है।



भारत ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के सिद्धांतों से प्रेरित होकर एक दशक तक उल्लेखनीय परिवर्तन किया है। पिछले एक दशक में, भारत के बिजली क्षेत्र ने बढ़ती मांग, प्रमुख बुनियादी ढांचे के विकास और पारंपरिक और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों दोनों के लिए मजबूत नीति समर्थन के कारण मजबूत वृद्धि देखी है। जून दो हजार पच्चीस तक, देश की कुल स्थापित बिजली क्षमता चार सौ छियहत्तर गीगावाट तक पहुंच गई है, जिसमें से लगभग आधी गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से है। अकेले नवीकरणीय ऊर्जा के दो सौ छब्बीस गीगावाट के योगदान के साथ, भारत अब सौर ऊर्जा में वैश्विक स्तर पर तीसरे और पवन ऊर्जा क्षमता में चौथे स्थान पर है। देश ने अप्रैल दो हजार अट्ठारह तक सौ प्रतिशत गांवों में बिजली पहुंचाने का लक्ष्य हासिल कर लिया है और तब से दो दशमलव आठ करोड़ से ज्यादा घरों को ग्रिड से जोड़ दिया गया है। बिजली की कमी दो हजार चौदह में चार प्रतिशत से घटकर अब सिर्फ शून्य दशमलव एक प्रतिशत रह गई है, जबकि प्रति व्यक्ति बिजली की खपत में पैंतालीस प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पीएम-सूर्य घर योजना देश भर में घरों को रोशन कर रही है, जबकि पीएम-कुसुम योजना किसानों को सौर ऊर्जा से सिंचाई के ज़रिए सशक्त बना रही है। पवन ऊर्जा क्षेत्र में दोगुने से ज्यादा की वृद्धि हुई है, और जलविद्युत, बायोमास और परमाणु ऊर्जा की क्षमताएँ लगातार बढ़ रही हैं। साथ ही, भारत के कोयला क्षेत्र को आत्मनिर्भरता और स्थिरता बढ़ाने के लिए आधुनिक बनाया गया है, जिससे रिकॉर्ड उत्पादन स्तर हासिल हुआ है और आयात निर्भरता में काफी कमी आई है। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन से लेकर अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन तक, भारत न सिर्फ अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा कर रहा है, बल्कि एक स्वच्छ, हरित भविष्य की ओर भी आगे बढ़ रहा है।



सरकार अट्ठहत्तरवें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में युवा प्रतिभाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कर रही है। पहली प्रतियोगिता का विषय है— 'ऑपरेशन सिंदूर – आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति को फिर से परिभाषित करना'। यह एक द्विभाषी निबंध प्रतियोगिता है। प्रतियोगिता के शीर्ष तीन विजेताओं को दस-दस हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा उन्हें दिल्ली में लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने का विशेष अवसर मिलेगा। इच्छुक प्रतिभागी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए **My Gov** की वेबसाइट पर जा सकते हैं। दूसरी प्रतियोगिता में, सरकार ने सभी उभरते सोशल मीडिया प्रभावशाली लोगों को भारतीय स्वतंत्रता के किसी भी स्मारक और स्थल पर अपनी सैर का वीडियो और रील बनाने के लिए आमंत्रित किया है। इच्छुक प्रतिभागियों को रील और वीडियो को अपने सोशल मीडिया पेज पर **#NewIndia #EmpoweredIndia** और **#independenceday2025** हैशटैग के साथ पोस्ट करना होगा। शीर्ष तीन विजेता दस-दस हजार रुपये का नकद पुरस्कार जीत सकते हैं। इस बीच, नया भारत सशक्त भारत थीम पर एक पेंटिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई है, जिसमें प्रतिभागियों को रंगों के माध्यम से देश की प्रगति और उपलब्धियों को दिखाने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता के बारे में अधिक जानकारी **MyGov** वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। सभी प्रतियोगिताएं रक्षा मंत्रालय और **MyGovIndia** के सहयोग से आयोजित की गई हैं। ये सभी प्रतियोगिताएं इस महीने की 30 तारीख तक खुली रहेंगी।



<><><><><><><>